सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2026-27

कक्षा:-8 **विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक** **पाठ:8 भारत के दक्षिणी पश्चिमी छोर की यात्रा**

बोलकर

(क) केरल को 'ईश्वर की अपनी धरती' इसलिए कहते हैं, क्योंकि भारत के दक्षिण पश्चिम छोर पर बसा यह प्रदेश बहुत ही सुंदर और हरा भरा है।

(ख) मुन्नार चाय के बागानों के लिए प्रसिद्ध है।

ग) हाउसबोट पानी में चलने वाली वे नावें होती हैं, जिनमें आराम के लिए कमरे, खाने के लिए रसोई एवं अन्य आधुनिक उपकरण होते हैं। लोग इसमें इसलिए ठहरते हैं ताकि वे हाउसबोट के डैक पर बैठकर केरल की विशेषता बैकवॉटर में भ्रमण करने का आनंद लेते रहें और बाहर दृश्य देखकर मंत्रमुग्ध हो। वे ऐलैप्पी शहर के दर्शन करते रहें। स्थानीय यातायात के लिए भी लोग हाउसबोट में यात्रा करते हैं।

(घ) ठेकड़ी के आस पास बहुत से मसालों और आयुर्वेदिक जड़ी - बूटियों के उद्यान हैं। वहाँ इलायची बहुत उगाई जाती है।

लिखकर

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-

(क) मुन्नार के चाय बागान ऐसे लगते हैं मानो दूर-दूर तक प्रकृति ने हरी-हरी मेजें लगा रखी हों। पाइन के पेड़ छतरी बने खड़े हों।

(ख) बैकवॉटर की बहुत-सी धारायें हैं जो सड़क का काम देती हैं। छोटी-छोटी नावों से भी लोग इधर से उधर आते जाते रहते हैं।

(ग) ठेकड़ी मुख्यतः काली मिर्च, दालचीनी आदि मसालों के लिए प्रसिद्ध है।

(घ) कोवलम बीच नारियल के पेड़ों से घिरा हुआ है। यहाँ की रेत बहुत साफ है और उसमें काली रेत भी आती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-

(क) लेखिका ने मुन्नार यात्रा के अनुभव के बारे में लिखा है कि उत्तर भारतीयों के लिए इतने हरे भरे क्षेत्रों में यात्रा करना ही एक अनोखा अनुभव है। रास्ते में बड़े सुंदर आलीशान मकान भी हरियाली के बीच थे, जैसे शहर कहीं समाप्त ही न हुआ हो। मकान छोटे हों या बड़े सबके प्रांगण में नारियल और केले के पेड़ अवश्य दिखे, नारियल केरल वासियों के भोजन का अभिन्न हिस्सा है।

पठित गद्यांश

(क) केरल की राजधानी त्रिवेंद्रम या तिरुवनन्तपुरम है।

(ख) त्रिवेंन्द्रम में लेखिका को आधुनिक और पुरानी बहुत सुन्दर इमारतें दिखी, पहली बार केरल में बहुमंजिला रिहायशी और कार्यालयों के ऊँचे ऊँचे कुछ टॉवर दिखे। बड़े बड़े शोरूम वाले बाजार भी दिखे।

(ग) लेखिका के रहने का प्रबन्ध केरल से कुछ ही दूर कोवलम बीच परएक रेसोर्ट मे था। यह रेसोर्ट समुद्र के बहुत पास था।

(घ) कमरे की बाल्कनी से स्विमिंग पूल दिखता था, विदेशी सैलानी मस्ती कर रहे थे। कभी कुछ नौजवान साथी वाटर बॉलीबॉल जैसा कुछ खेल रहे थे

2. (क) मैट्टूपट्टम, रैसरवायर (ख) बंदरगाह, भारतीय

   (ग) हाउसबोट, पर्यटन (घ) काली, अलग